एक नजर में

संभागायुक्त ने छात्रावासों और आश्रमों के निरीक्षण के सौंपे दायित्व

झाबुआ। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अनुसूचित जाति, जनजातीय एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु संचालित छात्रावास और आश्रम एवं आवासीय परिसर में 1 जुलाई से एडमिशन प्रारंभ हो चुके हैं। आयुक्त इंदौर संभाग दीपक सिंह ने बताया कि इंदौर संभाग की इन संस्थाओं में अनुसूचित जाति, जनजातीय एवं पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी बड़ी संख्या में निवासरत् हैं, जिनके भोजन, पानी, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था आदि की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश शासन की प्राथमिकताओं में है। उन्होंने बताया कि इन व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु यह आवश्यक है कि इन आवासीय संस्थाओं की नियमित रूप से आकस्मिक जांच होती रहे, ताकि छात्र-छात्राओं को शासन की ओर से मिलने वाली सुविधाएं निर्बाध रूप से मिलती रहें। संभागायुक्त ने संस्थाओं के निरीक्षण के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिला झाबुआ में एकलव्य आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, जिला स्तरीय उत्कृष्ट छात्रावासों के निरीक्षण के लिए संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास इंदौर संभाग की ड्यूटी लगाई गई है। 21 से 26 जुलाई के बीच गहन निरीक्षण कर रिपोर्ट संभागायुक्त को प्रेषित करेंगे। संभागायुक्त ने विकासखंड स्तरीय छात्रावासों और आवासीय परिसरों के निरीक्षण के लिए दल गठित किया है। गठित दल में अपर कलेक्टर एवं जिपं सीईओ के साथ-साथ एक महिला अधिकारी और एक शासकीय चिकित्सक को भी शामिल किया गया है। वहीं विकासखंड मुख्यालय से निचले स्तर पर छात्रावासों और शैक्षिक आवासीय परिसरों के निरीक्षण के लिए एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, तहसीलदार के साथ-साथ एक महिला अधिकारी और एक शासकीय चिकित्सक को भी शामिल कर निरीक्षण कर प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए गए हैं। कमिश्नर इंदौर संभाग एवं कलेक्टर नेहा मीना के आदेशानुसार 22 जुलाई को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला तरुण जैन एवं प्राचार्य संदीपनी विद्यालय थांदला, चिकित्सक सिविल अस्पताल थांदला द्वारा अनुभाग थांदला अंतर्गत एकलव्य आवासीय बालक एवं कन्या छात्रावास अगराल थांदला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता, भंडारण, परिसर में साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य के संबंध में छात्राओं से चर्चा की। साथ ही प्राचार्य संदीपनी विद्यालय द्वारा पृथक से छात्राओं से चर्चा भी की गई एवं छात्राओं द्वारा फीडबैक फार्म भी भरे गए।

विहिप धर्म प्रसार द्वारा 4 प्रखंडों की कावड़ यात्रा 4 अगस्त को

झाबुआ। विश्व हिन्दू परिषद् धर्म प्रसार मालवा प्रांत द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रावण मास में प्रखंड अनुसार कावड़ यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें झाबुआ, कल्याणपुरा, रामा एवं रानापुर प्रखंड की कावड़ यात्रा श्रावण मास के चौथे सोमवार 4 अगस्त को निकलेगी। यह यात्रा देवझिरी से झाबुआ तक रहेगी। विहिप धर्म प्रसार मालवा प्रांत के प्रांत परावर्तन प्रमुख राजू निनामा ने बताया कि चारो प्रखंड से ग्रामीण महिला-पुरूष, युवा एवं बच्चें देवझिरी तीर्थ पर सुबह 7 बजे से एकत्रित होंगे। यहां श्री संकट मोचन महादेवजी के दर्शन एवं कुंड से मां नर्मदा नदी का जल भरकर दोपहर करीब 1 बजे भव्य कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में आगे विहिप धर्म प्रसार मालवा प्रांत प्रमुख महेश टांक, प्रांत सह-प्रमुख संजय होलकर, जिला प्रमुख कमलसिंह महाराज, विहिप जिलाध्यक्ष आजाद प्रेमसिंह डामोर चलेंगे। इसके पीछे महिलाओं द्वारा कलश यात्रा और फिर कावड़ यात्री दो-दो की कतार में शामिल होंगे। भगवान के जयकारों के साथ यह यात्रा देवझिरी से मोहनपुरा, गडवाड़ा, किशनुपरी, राजगढ़ नाका, डीआरपी लाईन, नेहरू मार्ग, आजाद चौक, बाबेल चौराहा, थांदला गेट, मेन बाजार होते हुए बस स्टैंड पर धर्मसभा का आयोजन होगा। लगातार हो रहा बैठकों का आयोजन उक्त आयोजन को लेकर लगातार प्रखंडवाईस बैठकों आयोजन के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बैठके चल रहीं है, ताकि यात्रा में अधिक से अधिक कावड़ यात्री शामिल हो सके। सभी यात्रियों के लिए फलाहार की व्यवस्था रहने के साथ जगह-जगह भव्य स्वागत भी होगा। कावड़ यात्रा के जगह-जगह होर्डिंग्स-बेनर आदि भी लगाए गए है। यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से जारी है।

आकांक्षी ब्लॉक में मेटरनिटी वेटिंग होम की सुविधा के प्रस्ताव बनाने के दिए निर्देश

झाबुआ। नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिलों एवं आकांक्षी ब्लॉक में जुलाई 2024 से सितंबर 2024 तक संपूर्णता अभियान चलाया गया था जिसका उद्देश्य आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में 6 प्रमुख संकेतकों में संतृप्ति (सैचुरेशन) प्राप्त करना था। विगत वर्ष संपूर्णता अभियान के तहत प्राप्त हुई उपलब्धियों को पहचाने जाने एवं सम्मानित किये जाने के उद्देश्य से 2 अगस्त को संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह एवं 28 जुलाई से 2 अगस्त के बीच आकांक्षा हाट का आयोजन किया जाएगा। संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह एवं आकांक्षा हाट की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर ने आकांक्षी ब्लॉकों में 6 प्रमुख संकेतकों के सैचुरेशन के लिए कार्य करने वाले अमले को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह के माध्यम से सम्मानित करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में 28 जुलाई से 2 अगस्त के बीच आकांक्षा हाट आजीविका भवन में लगाये जाने के निर्देश दिये। आकांक्षा हाट में जिले में जैविक कृषि के उत्पाद, आजीविका मिशन की दीदीयों द्वारा निर्मित उत्पाद, उद्यानिकी विभाग के विभिन्न उत्पादो के अतिरिक्त हेल्थ डेस्क लगाए जाने हेतु निर्देशित किया। जिले के आकांक्षी ब्लॉकों में किये गये प्रयासों को भी आकांक्षा हाट में प्रदर्शित करने के निर्देश दिये। बैठक में मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, एनएमआर कम करने के उद्देश्य से आकांक्षी ब्लॉक में स्वास्थ्य एवं पोषण संकेतक के तहत मेटरनिटी वेटिंग होम की सुविधा के प्रस्ताव बनाये जाकर नीति आयोग को भेजने हेतु निर्देशित किया। मेटरनिटी वेटिंग होम की सुविधा विशेषत: उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से अधिक दूरी पर रहने वाली महिलाओं के लिए है जिसमें वे अप्रेक्षित प्रसव तिथि के कुछ समय पूर्व आकर निवास कर सकेंगी जिससे संस्थागत प्रसव में कोई समस्या ना हो। जिले के सभी आकांक्षी ब्लॉक से उक्त प्रस्ताव आयोग नीति आयोग में भेजे जाने के निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में उर्वरक उपलब्धता एवं अतिवृष्टि के राहत के प्रकरणों की समीक्षा की

▶ कलेक्टर उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भंडारण पर करें कठोर कार्यवाही

झाबुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में उर्वरक उपलब्धता एवं अतिवृष्टि के राहत के प्रकरणों की समीक्षा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिले से कलेक्टर नेहा मीना, जिपं सीईओं जितेन्द्र सिंह चौहान जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खरीफ2025 के लिए किसानों को सुविधापूर्वक, व्यवस्थित ढंग से उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। यूरिया की मांग वाले जिलों में आगामी सात दिवस में प्राप्त होने वाले रैक और उर्वरक वितरण व्यवस्था संबंधी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। राज्य स्तर से उर्वरक व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जा रही है। उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, टैगिंग, मिस ब्रांडिंग, अवैध परिवहन पर कठोर कार्यवाही की जाए। विक्रय केन्द्रों पर कृषकों की अधिक भीड़ होने पर अतिरिक्त काउंटर की व्यवस्था कर विक्रय प्रक्रिया संचालित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विपणन संघ के विक्रय केन्द्रों और पैक्स में निर्धारित अनुपात अनुसार उर्वरक का भंडारण सुनिश्चित किया जाए। जिला कलेक्टर डबल लॉक केन्द्रों, पैक्स और निजी विक्रय केन्द्रों का आकस्मिक रूप से निरीक्षण कर स्कंध का सत्यापन सुनिश्चित करें। अनुदानित यूरिया के उपयोग की पशुआहार, पोल्ट्री फीड, लेमिनेशन, रेसिन, प्लाईवुड, पेंट, शराब उद्योग, प्रिंटिंग और मिलावटी दुग्ध उत्पादन में उपयोग की संभावना रहती है। उन्होंने इन स्थानों का औचक निरीक्षण कर अनुदानित यूरिया पाए जाने पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नैनो यूरिया के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि किसानों की आवश्यकतानुसार उर्वरक की घर पहुंच सेवा आरंभ करने पर भी विचार किया जाना चाहिए। इससे अनुदानित यूरिया के दुरूपयोग को रोका जा सकेगा। बैठक में बताया गया कि उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण या परिवहन और नकली उर्वरकों के संबंध में अब तक 30 एफआई.आर. की गईं, 56 लायसेंस निरस्त, 70 लाइसेंस निलंबन और 188 विक्रय प्रतिबंधित करने की कार्यवाही की गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिवृष्टि के राहत के प्रकरणों की समीक्षा की एवं निर्देश दिये कि जहां आवश्यकता हो अस्थाई राहत कैंप का संचालन किया जाए, अतिवृष्टि के कारण जनहानि एवं पशुहानि होने पर आरबीसी 6(4) के तहत प्रकरण बनाये जाकर जल्द से जल्द सहायता करें। साथ ही वर्षाकाल में त्यौहारो के दौरान अप्रिय घटना ना हो इस हेतु उचित प्रबंध किये जाए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर अक्षयसिंह मरकाम, डिप्टी कलेक्टर एचएस विश्वकर्मा, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग विपिन पाटीदार, उप संचालक कृषि विभाग एनएस रावत एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वर्ण जयंती समारोह के स्मृति चिन्हों का हुआ अनावरण

झाबुआ। आजाद साहित्य परिषद झाबुआ के स्वर्ण जयंती समारोह के स्मृति चिन्हों एवं सम्मान समारोह के प्रतिम चिन्हों का समारोह पूर्वक अनावरण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिन्हें आजाद जयंती पर प्रदान किए जाएंगे। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता एवं रोटरी क्लब के आगामी रीजनल कॉर्डिनेटर उमंग सक्सेना एवं सामाजिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ नीरज राठौर व वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष शांति वसुनिया, वरिष्ठ समाजसेवी एमएल फूलपगारे, रतनसिंह राठौर थे। इस अवसर पर डॉ केके त्रिवेदी, भेरूसिंह सोलंकी, प्रदीप पंडिया, कुलदीपसिंह पंवार, रंजीव सिनम, जयेंद्र वैरागी, प्रकाश त्रिवेदी, अरूण भावसार, गजेंद्रसिंह चंद्रावत आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष डॉ त्रिवेदी ने सभी को स्वर्ण जयंती समारोह हेतु आमंत्रित करते हुए परिषद के गठन के विषय में परिचित करवाया। अंत में आभार शरत शास्त्री ने माना।

आज समारोह में होगे सम्मानित -

आजाद साहित्य परिषद झाबुआ अपने स्वर्ण जयंती वर्ष पर एक भव्य साहित्यक समारोह कार्यक्रम 23 जुलाई को आयोजित कर रही है, अपनी वार्षिक परंपरा अनुसार, विगत तीन वर्षों से शहीद भूमियो पर माटी मिलन यात्रा से शहीदों का स्मरण कर 23 जुलाई 24 को चंद्रशेखर आजाद नगर तक यात्रा आयोजित कर स्वर्ण जयंती समारोह की शुरुआत की गई थी। आज आयोजित समारोह में 40 साहित्यकारों का शब्द सरस्वती एवं शब्द साधना सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। वही 20 से अधिक समाज सेवा, खेल, जन जागृति, जन सेवा, संस्कृत सेवा, प्रेरणा, और साहित्य अनुराग सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही महिला सशक्तिकरण, स्त्री चेतना, के साथ शिक्षा नवाचार सम्मान से भी विशिष्ट हस्तियों का सम्मान होगा।

स्कूल में छात्राओं के लिए शारीरिक स्वच्छता एवं मासिक धर्म जागरूकता सत्र आयोजित

झाबुआ। स्थानीय अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 6 से 9 तक की छात्राओं के लिए शारीरिक स्वच्छता एवं मासिक धर्म जागरूकता पर एक महत्वपूर्ण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. चारुलता दवे द्वारा किया गया। इस सत्र का उद्देश्य किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों को अपनाने और व्यक्तिगत स्वच्छता की आदतों को मजबूत करने के लिए प्रेरित करना था। डॉ. दवे ने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान साफ-सफाई बनाए रखने, संतुलित आहार लेने तथा इस्तेमाल किए गए सैनिटरी पैड्स के सुरक्षित निपटान की जानकारी दी। उन्होंने बताया की नियमित रूप से फल और सब्जियों का सेवन, स्वच्छ कपड़ों का उपयोग और शरीर की स्वच्छता बनाए रखना बेहद आवश्यक है। साथ ही यह भी बताया गया कि अगर मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द, खुजली या किसी प्रकार की दुर्गंध महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। सत्र के दौरान छात्राओं ने भी खुलकर सवाल पुछे और डॉ. दवे ने उनकी जिज्ञासाओं का सहजता से समाधान किया।

बलात्कार के आरोपी को सुनाई आजीवन सश्रम कारावास की सजा

झाबुआ। बलात्कार के मामले में आरोपी को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। घटना के विवरण में बताया गया कि 16 मार्च 2021 को फरियादी, पीड़िता के माता-पिता कोर्ट पेशी झाबुआ गये थे, करीबन 5 बजे शाम को वापस घर आये तो पीड़िता घर पर नहीं मिली। फिर उन्होंने पीड़िता की तलाश रिश्तेदारी व आसपास की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। उन्हें शंका हुई की उसकी नाबालिग लड़की पीड़िता 17 वर्ष को रोहित पिता केतरूस बबेरिया निवासी-राणापुर का बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया होगा। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना झाबुआ में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा पीड़िता को दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बालिका की दस्तयाबी उपरांत प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध गंभीर धारा 366, 376, 376 (2) (एन) आईपीसी एवं धारा 5 (एल)/6, 5 (जे) (पप)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का सरंक्षण अधिनियम 2012 का इजाफा किया गया। प्रकरण की विवेचना उप निरीक्षक हीरालाल मालीवाड़ द्वारा की गई। प्रकरण में सुनवाई के उपरांत अपर सत्र एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), जिला झाबुआ सुभाष सुनहरे द्वारा आरोपी रोहित पिता केतरूस बबेरिया, 22 वर्ष, निवासी रानापुर को दोषसिद्ध पाते हुए धारा 5स/6 एवं 5(जे)(पप)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत आजीवन सश्रम कारावास तथा 5 हजार के अर्थदंड से दंडित किया गया। उक्त प्रकरण में शासन की और से विशेष लोक अभियोजक मनीषा मुवेल द्वारा प्रभावी रूप से पक्ष प्रस्तुत किया गया।

ब्राह्मण समाज के एकता प्रादेशिक सम्मेलन में समाजजन हुए शामिल

झाबुआ। भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली जानापावा (महू) इंदौर में संपूर्ण ब्राम्हण शक्ति मप्र द्वारा मप्र के ब्राह्मण समाज हितार्थ ब्राह्मण एकता प्रादेशिक सम्मेलन का आयोजन 20 जुलाई को किया गया।

उक्त सम्मेलन में प्रदेश के विख्यात ब्राह्मणों एवं संतों की अतिथि के रूप में उपस्थिति रहीं। आयोजन में मुख्य रूप से उपस्थित महामंडलेश्वर अनिलानंद स्वामी, महामंडलेश्वर निश्चलानंद स्वामी जूना अखाड़ा, मंत्री एवं विधायक उषा ठाकुर, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, परशुराम कल्याण बोर्ड अध्यक्ष विष्णु राजोरिया, यात्रा के आयोजक सुरेंद्र चतुर्वेदी, संयोजक नर्मदाशंकर भार्गव, अध्यक्ष पं. अनूप शुक्ला, विधायक पं. रमेश मेंदोला आदि का ब्राम्हण शक्ति मप्र की और से विशेष स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस दौरान ब्राह्मण समाज के पुजारियों का मानदेय बढ़ाने, सामान्य सीटों पर सामान्य को ही अवसर देने, जातिगत जनगणना में केवल ब्राह्मण 126 कोड का उपयोग करने, एडब्ल्यूएस के सर्टिफिकेट का कार्यकाल बढ़ाना आदि विषयों पर चर्चा की गई एवं इस हेतु भगवान श्री परशुरामजी को ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया।

जिले से यह हुए शामिल

समाज मीडिया प्रभारी उमेश पांडे ने बताया कि आयोजन में जिले से परशुराम सेना झाबुआ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिसमें श्री परशुराम सेना जिलाध्यक्ष आशीष चतुर्वेदी, जिला संयोजक अश्विन शर्मा, मोहनलाल जोशी, प्रदीप पंड्या, रमाकांत त्रिवेदी, ओमप्रकाश शर्मा, अशोक शर्मा, अजय रामावत, अखिल त्रिवेदी, शरतचन्द्र शुक्ला, रमाकांत शर्मा, विनोद दत्त, राजेश शर्मा, भेरूलाल पालिवाल, अमित शर्मा, अजय वैरागी, उमेश शर्मा, गौतम त्रिवेदी, उमेश पांडे, मोहित पुरोहित, निखिल त्रिवेदी आदि उपस्थित रहे तथा जानापावा में भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली पर उन्हें नमन भी किया।

एक नजर 350 कावड यात्री अनंतखेडी से जल भर कर पैदल उज्जैन महाकाल तक पांच दिन में पहुंचेगें।*

26 वीं कावड़ यात्रा का भोलेनाथ के जयकारों के साथ स्वागत व सम्मान किया

डॉ. दादू महाराज संस्थान और भारतीय पत्रकार संघ ने यात्रा संचालक पं. दवे का सम्मान किया

पेटलावद। 'बोल बम बोल बम, उज्जैन तक है जाना'' के जयकारों के मध्य क्षेत्र की सबसे पुरानी कावड यात्रा बोल बम कावड यात्रा संघ जब पेटलावद नगर में प्रवेश हुई तो पुष्पवर्षा और स्वागत में अल्पाहार की व्यवस्था में नगरवासियों ने पलक पावडे बिछा दियें। नगर में प्रवेश के पूर्व 26 वर्ष से लगातार निकाली जा रही कावड यात्रा का संचालन पं. नरेंद्र''नंदन''दवे के द्वारा किया जा रहा है। इस कावड यात्रा में लगभग 350 कावड यात्री शामील है। जो की अनंतखेडी से जल भर कर भगवान महाकाल का जलाभीषेक करने के लिए 120 किमी की पैदल यात्रा तय कर पांच दिनों में उज्जैन पहुंचेगें।यात्रा 20 जुलाई को प्रारंभ हो कर 24 जुलाई को महाकालेश्वर उज्जैन पहुंचेगी। यात्रा के दरम्यान पांच पडाव आयेगें। जिसमें रात्रि विश्राम रहेगा। कावड यात्रा में लगभग कई कावडयात्री तो तभी से शामील हो रहे है जब से कावड यात्रा प्रारंभ हुई है और कई नये युवा भी कावडयात्रा में शामील होते है। भगवान के जयकारों और भजन किर्तन के साथ यात्रा प्रारंभ हो कर जलाभिषेक कर पूर्ण होती है।

71 किलो की कावड ली- भगवान शिव के परम भक्तों ने 71 किलो की कावड उठा रखी है। उसे जल को अनंतखेडी से ले जा कर 120 किमी पैदल चल उज्जैन में भगवान महाकाल का अभिषेक करेगें। इसके साथ ही कावड यात्री ने 21 किलो की कावड भी उठा रखी है।

26 वर्ष से निकल रही कावड यात्रा- बम बोले कावड यात्रा संघ के साथ विशेषता यह जुड चुकी है कि यह यात्रा 26 वर्षो से लगातार निकाली जा रही है। वर्ष 2000 से प्रारंभ हुई कावड यात्रा का क्रम सतत जारी है। जहां 100 से कम कावड यात्रीयों के साथ यात्रा निकालने का क्रम प्रारंभ हुआ था। वहीं अब 350 से लेकर 400 तक कावड यात्री शामील होते है। कावड यात्रा के दरम्यान चार रात्रि का विश्राम होता है। जिसकी व्यवस्था समिति के द्वारा की जाती है। यात्रा संचालक पं.नरेंद्र नंदन दवे ने बताया कि कावड यात्रा का यह क्रम भगवान भोलेनाथ के आर्शीवाद से ही संपन्न होता है। भगवान के आदेश पर लगातार 26 वर्षो से यह आयोजन भक्तों के सहयोग से हो रहा है। व्यवस्था प्रमुख विठ्ठल धानक ने बताया कि व्यवस्था समिति के द्वारा पूरी योजना बना कर हर वर्ष पूर्व से व्यवस्था की जाती है। जिससे कावड यात्रीयों को परेशानी का सामना नहीं करना पडे।

स्वागत व सम्मान किया

नगर में कावड यात्रा का विभिन्न संगठनों,सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमजन ने स्वागत व सम्मान किया। कावड यात्रा के नगर में प्रवेश करते ही महिलाएं नृत्य गान करते हुए कावड यात्रा के आगे चलती रही। नगर में सर्वप्रथम डां दादू महाराज संस्थान के सदस्यों के द्वारा स्वागत किया गया। वहीं किन्नर हरियाली बुआ ने भी कावड यात्रा का स्वागत किया। और वहीं भारतीय पत्रकार संघ के द्वारा भी कावड यात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर कावड यात्रा के संचालन पं. नरेंद्र नंदन दवे और पं. पंकज दवे को साल श्री फल भेंट कर और पगडी पहनाकर सम्मान किया गया। लगातार 26 वर्षो से सफल कावड यात्रा के संचालन पर नगर में कई स्थानों पर स्वागत व सम्मान हुआ। इस मौके पर अशोक वर्मा,हरीश राठौड, मोहन परमार, चंदु राठौड, अर्जुन राठौर, रमेश अटकान, बलराम राठौड, रवि कुमार, हिमांशु राठौड, गौरव जोशी,विनायक तवर,सोनू राठौर ,रवि पुरोहित,पियुष राठौड आदि उपस्थित रहे।